बेस्ट गोलकीपर का अवार्ड अनमोल गुप्ता को, हाईएस्ट गोल मोहम्मद शौकत को मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवार्ड अनिरुद्ध थापा को मिला

चंडीगढ़, (सुनीता शास्त्री)। अखिल भारतीय 'टाटा टी जागो रे इंटर मिलान सॉकर स्टार्स' 12 के चंडीगढ़ जोनल टूर्नामेंट का फाइनल आज चंडीगढ़ सेक्टर-17 के फुटबाल स्टेडियम में जीएमएचएस-36 और सैंट स्टीफन स्कूल के बीच खेला गया। जीएमएचएस-36 ने अपनी प्रतिस्पर्धी टीम सैंट स्टीफन को 7-0 से करारी मात देते हुए टूर्नामेंट का फाइनल जीत लिया। जीएमएचएस-36 की ओर से जतिन्दर और मो. शौकत ने दो-दो गोल और विक्रम, थलील और दीपक ने एक-एक गोल किया। सैंट स्टीफन स्कूल की टीम कोई गोल न कर सकी। इससे पहले सेमी फाइनल्स में सैंट स्टीफन का मुकाबला आज सैंट सोल्जर से और जीएमएचएस -36 का मुकाबला विवेक हाई स्कूल से हुआ। सैंट स्टीफन ने सैंट सोल्जर को 1-0 से हराते हुए फाइनल में अपनी जगह बनाई। सैंट स्टीफन की ओर से पंकज ने 1 गोल किया। जीएमएचएस-36 और विवेक हाई स्कूल के बीच हुए सेमी फाइनल मैच में जीएमएचएस-36 ने विवेक हाई स्कूल को 7-1 से हराया। जीएमएचएस-36 की ओर से शौकत ने 5, हितेश ने 1 और थलील ने 1 गोल किया। क्वार्टर फाइनल में आज सैंट स्टीफन और माउंट कार्मल के बीच, सैंट सोल्जर और डीपीएस के बीच, विवेक हाई स्कूल और डीएवी तथा जीएमएचएस-36 और सेक्टर-17 स्कूल के बीच कड़ा मुकाबला हुआ जिनमें से सैंट स्टीफन ने (3-1), सैंट सोल्जर ने (3-0), जीएमएचएस-36 ने (2-0) से मैच जीत कर सेमी फाइनल में अपनी जगह बनाई। विवेक हाई स्कूल और डीएवी के बीच हुए मैच में किसी भी ओर से कोई गोल न हो सका। विवेक हाई स्कूल ने पैनल्टी के आधार पर यह मैच 5-4 से जीता। परफॉर्मेंस के आधार पर बेस्ट गोलकीपर का अवार्ड सैंट स्टीफन के अनमोल गुप्ता को, हाईएस्ट गोल स्कोरर का अवार्ड जीएमएचएस-36 के मोहम्मद शौकत को (पूरे टूर्नामेंट में 9 गोल किए) और मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवार्ड सैंट स्टीफन स्कूल के अनिरुद्ध थापा को दिया गया। इसी बीच एक स्किल कॉन्टेस्ट का भी आयोजन किया गया जिसमें सैंट स्टीफन स्कूल के रिशभ और जीएमएचएस-36 के संजीव विजयी रहे। जिन तीन बच्चों का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा उनमें जीएमएचएस-36 टीम के कप्तान गुरसिमरत, विक्रम सिंह और निशु कुमार शामिल हैं। इन्हें कोलकाता में ट्रेनिंग के लिए भेजा जाएगा। टूर्नामेंट के हैड स्काउट श्री अमशिद नासिरी ने बताया कि इस टूर्नामेंट का उद्देश्य इस खेल में 10 से 15 साल की उम्र के प्रतिभावान बच्चों की तलाश करके उन्हें वैश्विक मंच मुहैया कराना है। विजेता टीम शिलांग में होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप में देश भर की विभिन्न स्थानों से आई 14 अन्य टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगी।